***Date*:** 21-09-2021
***Publication*:** The Telegraph
***Edition*:** Kolkata

CIL pact to extract methane

A STAFF REPORTER

Calcutta: Coal India subsidiary Bharat Coking Coal Limited has signed a Rs 1,880 crore revenue sharing contract with Ahmedabad-based Prabha Energy Private Limited for the commercial extraction of coal bed methane from Jharia.

The agreement comes at a time of the commissioning of the ambitious gas pipeline infrastructure in eastern India under the Urja Ganga project. In February 2021, the 348kilometre Dhobi-Durgapur natural gas pipeline was commissioned under the project

In the methane project, Bharat Coking would put up close to Rs 370 crore towards the cost of land and the rest will be met by the private developer

SIGNS UP WITH PRIVATE DEVELOPER

- Coal-bed methane to be extracted from Bharat Coking fields at Jharia
- Commercial production expected to commence in five years
- GAIL developing pipeline to transfer gas
- Gas to be used in kitchens as well as for commercial purposes

Blocks owned by Eastern and South Eastern Coalfields to be commercialised

The project is scheduled to commence in three phases. The first phase of exploration is two years followed by the pilot phase for three years and a production phase of 30 years.

Coal India expects the first two phases will be completed ahead of the deadline. Coal bed methane will be extracted from CBM Block-I which has an estimated resource of 25 billion cubic metres. The average production capacity is estimated at 1.3 million metric standard cubic metres per day when commercial operation starts.

Coal bed methane extraction is part of Coal India's plan to diversify under the clean coal energy initiative. The methane could be utilised for city gas distribution or through pipeline for potential commercial users.

Further, removing methane from underground coal mines can improve mine safety, productivity, increase revenue and reduce greenhouse gas emissions.

This is the first time Coal India will extract coal bed methane from its own leasehold area.

It plans to extract methane from two other blocks — one in Eastern Coalfields and another in South Eastern Coalfields — that have a combined resource of 2.7 billion cubic metres per day.

***Date*:** 21-09-2021
***Publication*:** Naya India
***Edition*:** Ranchi

कोल इंडिया ने किया मिथेन गैस निकालने के लिये समझौता

नई दिल्ली, भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई भारत कोकिंग कोल ने कोयला भंडार से मिथेन गैस निकालने को लेकर प्रभा एनर्जी के साथ 1,880 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। कोयला भंडार से प्राप्त मिथेन प्राकृतिक गैस का गैर- परंपरागत रुप है।

कोल इंडिया ने एक बयान में कहा, ''भारत कोकिंग कोल लि. (बीसीसीएल) ने सोमवार को वाणिज्यिक रूप से कोयला भंडार क्षेत्र से मिथेन गैस निकालने को लेकर प्रभा एनर्जी प्राइवेट लि. के साथ 1,880 करोड़ रुपये की राजस्व हिस्सेदारी का अनुबंध किया है। अपनी तरह का यह पहला समझौता वैश्विक बोली प्रक्रिया के तहत किया गया है। बीसीसीएल के पट्टा क्षेत्र के अंतर्गत झरिया ब्लॉक- एक से मिथेन (कोल बेड मिथेन) गैस निकाली जायेगी। बीसीसीएल जमीन की लागत के लिए करीब 370 करोड़ रुपये लगाएगी, बाकी पैसा कोयला भंडार क्षेत्र से मिथेन गैस निकालने की परियोजना के विकास से जुड़ी कंपनी प्रभा एनर्जी लगाएगी।

***Date*:** 24-09-2021
***Publication*:** The Financial Express
***Edition*:** Bengaluru

CIL arm, NTPC to install solar project in MP

STATE-OWNED CIL ON Thursday said its subsidiary Northern Coalfields (NCL) has joined hands with power major NTPC to install a 50 MW solar power project at its Nigahi coal mines in Singrauli district of Madhya Pradesh.

This is NCL's first ground-mounted solar project for which project consultant NTPC has invited bids with a pre-bid date set on October 7 and tender opening date on October 22, Coal India (CIL) said in a statement.

CIL NTPC Urja (CNUPL), a joint venture of Coal India and NTPC, which will co-ordinate this entire project, is confident that the project would be completed within the stipulated timeframe of one year.

NTPC will help NCL get a successful bidder for the project, and then NCL will get the project executed through the successful bidder. — PTI

***Date*:** 26-09-2021
***Publication*:** Sanmarg
***Edition*:** Asansol

कोल इंडिया की महिला कर्मचारी पुरुषों से किसी मायने में नहीं हैं कम

जितेंद्र कुमार मिश्रा

सांकतोड़िया : महिलाएं अब हर क्षेत्र में पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर काम करने लगी हैं। पहले कोल इंडिया में महिलाओं को भूमिगत खदान में कार्य करने पर रोक थी पर कुछ दिनों पहले उस रोक को हटा लिये जाने के बाद अब कोल

- **भारी से भारी कार्य कर दिखा रही हैं क्षमता**
- **केंद्र सरकार के निर्णय का कोल इंडिया की महिला कर्मचारियों ने किया है स्वागत**
- **कोल इंडिया की भूमिगत खदानों में महिलाओं ने प्रारंभ किया कार्य**

इंडिया में महिलाएं भूमिगत खदान में भी कार्य करने लगी हैं। ईसीएल के महाप्रबंधक कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध पवन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए श्रम मंत्रालय ने उन्हें

शावेल मशीन चलाती दुर्यावती राजभर

भूमिगत खदानों में नौकरी करने की छूट दी है। उन्होंने बताया कि ईसीएल में कुल 3732 महिला कर्मी कार्यरत हैं। मालूम हो कि भूमिगत खदान में काम करने वाली पहली महिला आकांक्षा कुमारी हैं जो इंजीनियर के पद पर सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड के उत्तरी करनपुरा क्षेत्र के चुरी की भूमिगत खदान में काम कर रही है। आकांक्षा कुमारी को केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बधाई भी दी है।

पहले क्या था नियम : मालूम हो कि महिलाओं को भूमिगत खदानों में काम करने के लिए खान नियमों में संशोधन किया गया है। अभी तक भूमिगत खदानों में महिलाओं को रोजगार देने पर कानूनन पाबंदी थी। जानकारों ने बताया कि पहले खान अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के मुताबिक किसी महिला को भूमिगत खदान में नौकरी पर नहीं रखा जा सकता था। इसका उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान था। अधिनियम के छठे अनुच्छेद के नियम 46 के अनुसार किसी भी महिला को भूमिगत खदान में कार्य के लिए नहीं रखा जा सकता था। केवल खुली (ओपेन कास्ट) खदानों में महिलाओं को नौकरी पर रखे जाने का प्रावधान था परंतु अब भूमिगत खदानों में भी काम करने की अनुमति सिर्फ इंजीनयरिंग डिपार्टमेंट के लिए दी गयी है। पहले खुली खदानों में काम करने वाली महिलाओं को काम करने की समय सीमा निर्धारित थी। खुली खदानों में उनकी ड्यूटी सुबह छह बजे से शाम सात बजे के बीच थी, रात्रिकालीन ड्यूटी वर्जित था, पर केंद्र सरकार ने माना है कि खनन क्षेत्र की पढ़ाई और प्रशिक्षण में महिला और पुरुष के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिये। खनन प्रौद्योगिकी में अंडरग्रेजुएट, पीजी करने वाली अनेक छात्राएं हर साल विभिन्न भूमिगत कोयला खदानों का दौरा करती हैं लेकिन कोई महिला खान के भीतर मजदूरी या सुपरवाइजरी का कार्य नहीं कर सकती। नये नियम के अनुसार एक शिफ्ट में कम से कम तीन महिलाओं को कार्य देने का प्रावधान किया गया है।

ईसीएल में सात महिलाएं पुरुषों को दे रही हैं मात

ईसीएल में सात महिलाएं वैसी हैं जो कठिन काम के साथ जुड़ी हुई हैं। बेचना देवी सोनपुर बाजारी प्रोजेक्ट में क्रेन ऑपरेटर का काम कर रही हैं। बावनी भुइयां मुगमा एरिया के बरमुड़ी खुली खदान में शॉवेल ऑपरेटर का काम कर रही हैं। श्याम फुलवा देवी मुगमा एरिया के राजपुरा ओसीपी में शॉवेल ऑपरेटर हैं। दुर्बावती राजभर काजोरा एरिया के जामबाद ओसीपी में शॉवेल ऑपरेटर, मंजू बाउरी केंदा एरिया के छोरा ब्लॉक इंक्लाइन में शॉवेल ऑपरेटर के पद पर काम कर रही हैं। सभी के कार्य को देखते हुए कंपनी ने उन्हें सम्मानित भी किया है। ज्ञात हो कि शॉबिल मशीन एक हेवी मशीन है जिसे अधिकांश पुरुष ही चलाते हैं।